शिकारी क्रोध से अन्धा हो गया , बोला - - अब इस दुष्ट को किसी तरह न छोड़ूंगा । ऐसे खूनी जानवरों पर दया करना पाप है । आज उसका काम तमाम करके दी दम लूंगा ।

यह कह कर वह फिर उसी जगह जा पहुँचा , जहाँ मादा मरी पड़ी थी । मगर अबकी बनमानुस वहाँ न दिखायी दिया । तब यह लोग उसके पैर का निशान देखते हुए उसकी खोज में चले । आखिर एक पहाड़ी के नीचे से जहाँ एक पहाड़ी नदी बहती थी , बनमानुस आता हुआ दिखायी दिया । उसकी देह से बूंद - बूंद पानी टपक रहा था । मालूम होता था अभी नहाकर निकला है । शिकारियों को देखते ही पहले तो वह गरज उठा , फिर किसी शोक में डूबे हुए आदमी की तरह छाती पीट - पीट कर रोने लगा । वह लोग चुपचाप खड़े रहे ।